सन्मार्ग

13 March, 2015

घुटने का सफल प्रत्यारोपण संभव

बड़े शहरों के मुकाबले खर्च भी काफी कम, दो मरीज हुए लाभान्वित

- छोटे शहरों में उत्कृष्ट सुविधा देना लक्ष्य : डॉ. दिनेश

जागरण संवाददाता, कतरास : देश के बड़े शहरों की तरह अब धनबाद में भी घुटने का प्रत्यारोपण आरंभ हो गया है। स्पाईन सर्जरी के बाद घुटना प्रत्यारोपण की सुविधा चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में जिले की खास उपलब्धि मानी जा रही है। फिलहाल यह सेवा कतरास के निचितपुर क्लीनिक व धनबाद के जालान अस्पताल में शुरू हुई है।

निचितपुर क्लीनिक में बरोरा की झुबिया देवी व जालान अस्पताल में आजाद नगर धनबाद निवासी नईम आलम के दोनों घुटने का प्रत्यारोपण किया गया। चिकित्सीय टीम में कोलकाता के विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार एवं धनबाद के स्पाईन सर्जन डॉ. दिनेश अग्रवाल के अलावा डॉ. एम राय एवं डॉ. मनीष कुमार शामिल थे। स्पाईन सर्जन अग्रवाल ने कहा कि यहां घुटना प्रत्यारोपण में बड़े शहरों की अपेक्षा खर्च में करीब चालीस प्रतिशत कमी भी आती है। यहां अमेरिका में निर्मित गुणवत्तायुक्त चिकित्सीय सामग्री का प्रयोग प्रत्यारोपण में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्यारोपण के दूसरे दिन ही मरीज चलने लगता है। जमीन पर बैठने में एक माह का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच गलत प्रचार व धारणाएं है कि घुटना प्रत्यारोपण सफल नहीं है। डा. संतोष का मानना है कि यह एक इलाज है, जिसके सफलता की 99 प्रतिशत उम्मीद रहती है।

वे साल भर में करीब पांच सौ घुटनों का प्रत्यारोपण करते हैं। पूर्व इंटरनेशनल आर्थोपेडिक्स फाउनडेशन से जुड़े दोनो सर्जन अग्रवाल व कुमार ने कहा कि उदेश्य है झारखंड, बिहार व बंगाल के छोटे शहरों में उत्कृष्ट चिकित्सा पद्धति पहुचाकर लोगों को लाभ पहुंचाना। इस फाउंडेशन के जरिए हडडीं रोग से जुड़े विशेषज्ञों की सेवाएं छोटे शहरों में उपलब्ध कराने की योजना है ताकि लोगों को बड़े शहरों में नही जाना पड़े। स्थानीय स्तर पर लोग इसका लाभ उठा सके। क्लीनिक की संचालिका सरिता सिंह ने आर्थोपेडिक्स से जुड़े सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

घुटना प्रत्यारोपण करानेवाली महिला के साथ डॉ. दिनेश अग्रवाल व अन्य